



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat



Cadaver Organ Donor

Lt. Piyush Naranbhai Mangukiya

**Donated he :
Heart, Lungs, Kidney, Liver, Pancreas & Eyes**

Date:- 29/10/2020
DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तान, ब्रेनडे के बाद, किडनी, लिवर, हृदयान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

GUJARAT

THE TIMES OF INDIA, AHMEDABAD
FRIDAY, OCTOBER 30, 2020

Brain-dead diamond artisan brightens up lives of eight

28-Year-Old's Eight Organs Transplanted

TIMES NEWS NETWORK

Surat: He had been giving rough diamonds the lustre and shine for nearly a decade. And, in his death too, 28-year-old Piyush Manguliya brought a glow in the lives of as many as eight critically ill patients.

Eight organs including heart, kidneys, lungs, liver, eyes and pancreas, were transplanted in needy patients in Ahmedabad and Mumbai, on Thursday. In fact, this is said to be the first donation where all eight organs of a deceased have been transplanted. Manguliya, who was working with Shree Ramkrishna Exports, suffered severe head injuries after his bike slipped on the road near Sayan check-post on October 24. He was rushed to SMC-run SMIMER Hospital and later shifted to a private hospital where doctors declared him brain dead on Wednesday.

Manguliya is survived by his wife Nayna, daughter



GLITTERING EXAMPLE OF HUMANITY

LIVER & KIDNEYS

- Transported by road to IKDRC, Ahmedabad
- Time taken | 3 hours
- Liver transplanted into 47-year-old man
- A 31-year-old man and 35-year-old woman got kidneys
- Pancreas transplanted into 34 year old woman

HEART

- Flown to Ahmedabad's CIMS Hospital in chartered flight
- Time taken | 130 minutes
- Patient | 44-year-old man in HN Reliance Foundation

LUNGS

- Flown to Mumbai in chartered flight
- Time taken | 110 minutes
- Patient | 39 year-old man from Borsad town of Anand

THREE GREEN CORRIDORS MADE: Green corridors were made thrice to transport some organs from the city's Ayush Hospital to Surat airport, a distance of 17 km. A green corridor was also made on the national highway-48 across six districts to transport kidneys, liver and pancreas to IKDRC, Ahmedabad.

Nilesh Mandlewala | FOUNDER, DONATE LIFE, SURAT

“As soon as we received a message from the hospital, we went there and met his family members to counsel them about cadaver donation. They readily agreed for the noble cause and asked us to harvest all his organs for needy patients.”

Dhanshree(9) and son Panth(6) who live in Nandini Society in Kamrej adjoining Surat.

Narayan Manguliya, the donor's father, said, "We had read about cadaver donations in the newspapers, but did not know the process. After final rites, his body would have turned

into ashes. It's better that my son's vital organs give new life to people. We will feel that he is living in all these eight people now."

After the family's consent, the State Organ and Tissue Transplant Organisation (SOTTO) convener Dr Pranjal Modi

in Ahmedabad was informed and the procedure was initiated. Two eyes were donated to Surat Eye Bank.

"This was the first case where eight organs have been donated," said Nilesh Mandlewala, founder and president, Donate Life, Surat.

"जीते जी रक्तान, ब्रेनडेड के बाट, किडनी, लिवर, हृदयादान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

एक ब्रेन डेर्ड युवक के अंगदान से 8 लोगों को मिला नया जीवन

**हृदय, फेफड़े, किडनी,
लिवर, आंत और आंखों
का हुआ दान**

लोकतेज संवाददाता



सूरत। शहर के बेलंजा क्षेत्र के ब्रेनडेर्ड पीयुष नारायणभाई मांगुकिया के अंग दान से आठ लोगों को नया जीवन मिला। एक व्यक्ति के शरीर से हृदय, फेफड़े, किडनी, लिवर, आंत और आंखों के दान की प्रथम घटना है।

डोनेट लाइफ संस्था के स्थापक निलेश मांडलेवाला से मिली जानकारी के अनुसार बेलंजा गांव में रामबाटोका सोसायटी के निवासी पीयुष नारायण मांगुकिया रामकृष्ण

एक्सपोर्ट में रत्नकलाकार का काम करते थे। नौकरी से छुटने के बाद अमरोली चारभुजा आकेंड के पास समूर के घर पर बीमार पल्ली को मिलने गए थे। रात को 10 बजे अपने घर आते समय अमरोली सायण रोड पर सदगुरु पंडित धूप के पास बाईं स्त्रीप होने से पीयुषभाई के सिर में गंभीर चोट लगी थी। घटनास्थल पर उपस्थित लोगों ने 108 से स्मीमेर अस्पताल और वहां से

अयुष अस्पताल में भर्ती किया गया। न्युरोसर्जन हसमुख सोजित्रा ने सौटी स्केन जांच के बाद पता चला कि दीमांग में खुन जम गया है। 28 अक्टूबर को पीयुष मांगुकिया को ब्रेनडेर्ड घोषित करने पर चिकित्सकों और ब्रेन डेर्ड संस्था के सहयोग से परिवार के सदस्य अंगदान के लिए तैयार हुए। पीयुष मांगुकिया का हृदय अहमदाबाद में ग्रीन कौरीडोर की मदद से पहुंचाकर जरूरतमंद मरीज में ट्रांसप्लान्ट किया गया। इसके अलावा फेफड़े, किडनी, लिवर, आंत और आंखों को भी दान किया गया। एक ब्रेन डेर्ड व्यक्ति के शरीर से इतने सारे अंगों के दान की यह प्रथम घटना है।

राज्य में पहली बार: एक साथ इतने अंगों का दान, अहमदाबाद-मुंबई भेजे गए

सूरत के ब्रेनडेर्ड युवक के फेफड़े, किडनी, लीवर, पैक्रियाज, आंखें दान, आठ लोगों को नई जिंदगी

हेल्प रिपोर्टर | सूरत

बेलंजा के रामबाटिका निवासी ब्रेनडेर्ड रत्नकलाकार पीयुष नारायण मांगुकिया के फेफड़े, किडनी, लीवर, पैक्रियाज और आंखें परिजनों ने दान कर दी। इससे आठ लोगों को नया जीवन मिला। यह राज्य में पहली बार है कि किसी एक व्यक्ति के इतने अंग एक साथ दान किए गए हों। निवासी पीयुष रामकृष्ण एक्सपोर्ट में रत्नकलाकार थे। काम से छुटने के बाद अमरोली चारभुजा आकेंड एंड रोमडेंसी में अपने समूराल में बीमार पल्ली से मिलने गए थे। वहां से रात 10 बजे स्ट्रीट रोड पर लोकतेज संवाददाता



पीयुष मांगुकिया

दिल बोरसद के 39 वर्षीय व्यक्ति को ट्रांसप्लान्ट किया

अहमदाबाद के सिस्म अस्पताल में पीयुष का हृदय बोरसद (आण्ड) के 39 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लान्ट किया गया। फेफड़े मुंबई की एचएन रिलायंस अस्पताल में 44 साल के व्यक्ति को ट्रांसप्लान्ट किए गए। दो किडनी, लीवर और पैक्रियाज अहमदाबाद के आइकॉमीआरसी में चार अलग-अलग मरीजों को ट्रांसप्लान्ट किए गए। आंखें लोकतेज संवाददाता

सायण रोड चेकपोस्ट के पास बाईं किसलने से गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें स्मीमेर अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में आयुष अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां न्यूरसर्जन डॉ. हमसमुख सोजित्रा ने ब्रेन में जमा

रक्त का इलाज किया। 28 अक्टूबर को डॉ. सोजित्रा की टीम ने पीयुष को ब्रेनडेर्ड घोषित कर दिया। डोनेट लाइफ संस्था ने पीयुष के पिता नारायणभाई व अन्य सदस्यों को अंगदान के लिए राजी किया।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेर्ड के बाद, किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

सूरत सबसे आगे: अब तक 29 हृदय और 4 फेफड़े का दान...

ब्रेनडेड युवक के परिजनों के निर्णय से आठ जनों को मिली नई जिंदगी

लेउवा पटेल समाज को युवा ने दिखाई नई राह अहमदाबाद में हृदय और मुम्बई में फेफड़े का हुआ ट्रांसप्लांट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत कामरेज निवासी एक युवक सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद सीटी स्कैन में ब्रेन हैमरेज होने की पुष्टि हुई। चिकित्सकों ने उसे ब्रेनडेड घोषित कर दिया जिसके बाद परिजनों ने अंगदान का निर्णय किया। युवक के अंगदान का करने से आठ जनों को नई जिंदगी मिली। डोनेट लाइफ संस्था ने 29वें हृदय समेत फेफड़े, किडनी, लीवर, पेन्नीयाज और चक्षुओं का दान करवाया।

कामरेज वेलंजा शेखपुर रोड नंदवी रेजिडेंसी निवासी पियुष नारायण मांगुकिया (28) रामकृष्ण एक्सप्रोट में हीरा कारीगर के तीर पर कार्य करता था। वह नौकरी से छूटने के बाद समुराल अमरोली चारभुजा आर्केड एंड रेजिडेंसी बीमार पर्सी को मिलने गया था। रात दस बजे घर लौटे समय अमरोली सायण रोड पर सदगुरु पेट्रोल पंप के नजदीक मोटरसाइकिल फिसल गई। हादसे में उसके सिर में गंभीर चोट आई। उसे स्मीमर अस्पताल में



भर्ती कराया गया। परिजनों ने उसे बाद में आयुष आइसीयू एंड मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल में न्यूरोसर्जन डॉ. हसमुख सोजित्रा के देखरेख में भर्ती करवाया। सीटी स्कैन में ब्रेन हैमरेज होने की पुष्टि हुई। ऑपरेशन कर रक्त गांठ को दूर किया गया, लेकिन तबीयत में सुधार नहीं आया।

बाद में चिकित्सकों ने उसे ब्रेनडेड घोषित कर दिया। अस्पताल से घटना की जानकारी डोनेट लाइफ के प्रमुख निलेश मांडलेवाला को मिली। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर अंगदान के बारे में बताया और स्वीकृति मिलने के बाद आइकेडीआरसी को जानकारी दी। इसके अलावा स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन से भी हृदय, फेफड़े, किडनी, लीवर और पेन्नीयाज के

दान मिलने के बारे में बताया। दान में मिला हृदय अहमदाबाद के सिस्मस अस्पताल को, किडनी, लीवर तथा पेन्नीयाज अहमदाबाद आइकेडीआरसी को दिया गया। वहाँ आरआईटीओ ने मुम्बई के सर एच.एन. रिलाय়েস फाउंडेशन को फेफड़े दान में दिए। जबकि चक्षुओं का दान लोकडूषि चक्षुबैंक के डॉ. प्रपञ्चल शिरोया ने स्वीकार किया।

ग्रीन कॉरिडोर में अंग पहुंचे मुम्बई और अहमदाबाद

अहमदाबाद सिस्मस अस्पताल के डॉ. धबल नायक ने हृदय का दान स्वीकार किया। उनकी टीम ने सूरत के आयुष अस्पताल में हृदय स्वीकार करने के बाद अहमदाबाद तक 272 किमी की दूरी ग्रीन कॉरिडोर में 110 मिनट में पूरी की गई। दान में मिले फेफड़े



कोरोना काल में भी सूरत अंगदान में आगे

गुजरात में हृदयदान की यह 36वीं घटना है। जबकि सूरत के डोनेट लाइफ द्वारा 29वाँ हृदय दान किया गया है। इसमें 20 हृदय मुम्बई, 5 हृदय अहमदाबाद, 2 हृदय चेन्नई और नई दिल्ली व इंदौर में एक-एक हृदय का दान किया गया है। सूरत से फेफड़े दान की यह 8वीं घटना है। इसमें दो फेफड़े बैंगलुरु और 4

फेफड़े मुम्बई और दो फेफड़े चेन्नई में ट्रांसप्लांट किए गए हैं। इसके अलावा 371 किडनी, 151 लीवर, 8 पेन्नीयाज और 274 चक्षुओं का दान लेकर 841 लोगों को नया जीवन दिया है। कोविड-19 के दौरान तीन हृदय, 4 फेफड़े, 12 किडनी, 6 लीवर, एक पेन्नीयाज और 10 चक्षुओं का दान किया गया है।

कॉरिडोर में सिर्फ 130 मिनट में पूरी की। वहाँ, मुम्बई एच.एन.रिलायैस फाउंडेशन अस्पताल के डॉ. संदीप सिंहा ने फेफड़े का दान स्वीकार किया। सूरत से मुम्बई 296 किमी की दूरी ग्रीन कॉरिडोर में 110 मिनट में पूरी की गई। दान में मिले फेफड़े

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

हृदय, फेफड़े, किडनी सहित अंगदान से आठ जनों को दिया नया जीवन

बीओटी संवाददाता

सूरत, 30 अक्टूबर

सूरत में ब्रैनडेड घोषित व्यक्ति के हृदय, फेफड़े, किडनी सहित अंगदान से आठ व्यक्तियों को नया जीवन मिला है। डोनेट लाइफ संगठन के सहयोग से एकसाथ सबसे ज्यादा अंगों का दान किया गया है।

सूरत में वेलंजा विस्तार के निवासी पियुषभाई मांगुकिया अमरोली से सायण की ओर घर जा रहे थे, उस दौरान उनकी मोटरसाइकिल स्लीप हो गई थी। इस दुर्घटना में उनके सिर में गंभीर चोट लगी थी। उन्हें उपचार के लिए आयुष अस्पताल में भर्ती किया गया था। उनके मस्तिष्क से खून की गांठ निकाली गई थी। गतरोज उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें ब्रैनडेड घोषित किया था। डोनेट लाइफ संस्था के निलेश मांडलेवाला एवं उनके सहयोगियों ने पियुषभाई के परिजनों को अंगदान के लिए



आवश्यक जानकारी दी थी।

सूरत से अहमदाबाद 272 किलोमीटर की दूरी 130 मिनट में तय कर बोरसद(आनंद) के निवासी 39 वर्षीय व्यक्ति में उनका हृदय प्रत्यारोपण किया। मुंबई में एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल में दहानू के 44 वर्षीय निवासी व्यक्ति को उनके फेफड़े का प्रत्यारोपण किया गया। दो किडनी, लीवर

और पेन्क्रीयास का प्रत्यारोपण अहमदाबाद (आईकेडीआरसी) के सहयोग से किया गया। आंखों का दान लोकदृष्टि चक्षु बैंक ने स्वीकार किया। डोनेट लाइफ संस्था के सहयोग से सूरत तथा दक्षिण गुजरात से 371 किडनी, 151 लीवर, 8 प्रेन्क्रीयास, 29 हृदय, 8 फेफड़े, 274 चक्षुओं के दान से 774 व्यक्तियों को नया जीवन मिला है।

"जीते जी रक्तदान, ब्रैनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat



લેઉવા પાટીદાર સમાજના બ્રેઇનડેડ રનકલાકાર પિપુષના અંગદાનથી આઠ વ્યક્તિને નવજીવન-રોશની મળી છે.

મુળ ભાવનગરના અને સુરતના કામરેજ રહેતા લેઉવા પટેલ સમાજના રનકલાકારના અંગદાનથી આઠ જિંદગીમાં ચ્યમક

(પ્રતિનિધિ દ્વારા)

સુરત, ગુરુવાર
સુરત જિલ્લાના કામરેજ તાલુકાના
પુવાન રનકલાકારની બાઈક સ્વીપ બધા
નાટ બેઠીન ડેડ ઝાહેર બધા પણી તેમના
પરિવારે તેમાંન હદ્દ્ય, કેફસાં, કિડની,
લિવર, પેન્ડીયાસ અને ચયુઓનું દાન કરી
આઠ વ્યક્તિનોને નવજીવન બખીને
માનવતાની મહોક કેલાવી હતી. સુરતથી
અમદાવાદનું રેઝ ડિ.મીનું અંતર ૧૩૦
મીનીટમાં કાપીને હદ્દ્યનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ
આસંદની વ્યક્તિમાં કૃપુ હતું. તેમજ
કેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ દાંસુનાં ફોડ વીપીપ
વ્યક્તિમાં કરવામાં આવ્યુ હતું.

મુળ ભાવનગરમાં મહુવાના
માલાવાપ ગામનો વતની અને લાલમાં
કામરેજના વેલાંથોં નંદની રેસીડેન્સીમાં
રહેતો રેખ્પીપ રનકલાકાર પિપુષ
નારકભાઈ માંગુકીયા વરાજા રોડના
પીરાની કેટરીમાં કાય કરતો હતો. બે
દિવસ પહેલાં નોકરી પતાવી પિપર

અમચોલીમાં નિમારા પાલીને પરત
આવતી વેળા સાયફ બેક્પોર્ટ પાસે ભાઈક
સ્વીપ બઈ જતા ઈજાની લાલતમાં સ્વીમેર
છોસિટલ બાદ બાનગી છોસિટલમાં
દાખલ કરાયો હતો.

સી.ટી. કેનમાં બ્રેઇન હેમરેજ અને
મગજમાં લોહીનો ગાંઠોલમેલો જીવાયો હતો
અને તા.રેઝ મીને પીપુષને બ્રેઇનડેડ ઝાહેર
કરાયો હતો. એ અંગે ડોનેટ લાઈફને જાણ
કેફસા ૧૧૦ મિનિટમાં મુંબિંદ
પહોંચાડી દાલાણુંના રહીશને
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયા: બંને
કિડની, લીવર, ચયુઓનું પણ
દાન કરવા સાથે એકસાથે
સૌથી વધુ અંગોનું દાન

છોસિટલ સુપી રેઝ ડિ.મીનું અંતર
ગ્રીન કોરીડોરની મદદગી ૧૩૦ મીનીટમાં
કાપીને દાનમાં મળેલું પિપુષનું હદ્દ્ય
પદ્ધોચાયાં હતું. અને આંદં બોરસદાના
૩૮ વીપીપ યુવાનને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું
હતું. જ્યારે કેફસા ૧૧૦ મિનિટમાં
સુરતથી મુલ્લી પદ્ધોચાયી દાલાણુંના ૪૪
વીપીપ રહીશને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયા હતા.
બંને કિડની, લીવર, પેન્ડીયાસ
અમદાવાદની કિડની ઇન્સ્ટીટ્યુટે
જરૂરીયાં મંદોને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કર્યા હતા.
ચયુઓનું દાન લોકરાદી ચયુનોકે સ્વીકાર્ય
હતું.

સુરત અને દાખિલ ગુજરાતમાંથી
ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ૩૭૧ કિડની, ૧૫૧
લીવર, ૮ પેન્ડીયાસ, ૨૪ હદ્દ્ય, ૬ કેફસાં
અને ૨૭૪ ચયુઓ મળી કુલ ૮૪૧ અંગો
અને ટીસ્યુઓનું દાન મળીને ૭૭૪
વ્યક્તિનોને નવજીવન અને નવી દર્દી
બલયામાં સક્રાતા મળી છે.

૨૮ વર્ષના પીપુષ નારણભાઈ માંગુકિયાનું હદ્દ્ય ૧૭૦ મિનિટમાં અમદાવાદ પહોંચાડી આણંદના યુવાનમાં ધબકતું કરાયું

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ, કિડની, લિવર, હદ્દ્યદાન..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

રાજ્યમાં સૌથી વધુ ૪ અંગોનું દાન વેલંજાના બ્રેનડેડ યુવક દ્વારા કરાયું સુરતમાંથી હાર્ટની 29મી, ફેફસાંનાં દાનની ચોથી ઘટના

ફેફસાંનાં દાન

વેલંજાના જેનડેડ યુવકના અંગોનું પરિવારે દાન કરી ૪ વ્યક્તિઓને નવજીવન આપ્યું છે. રાજ્યમાં સુરતમાં પ્રથમ વેખત ૧ વ્યક્તિના સૌથી વધુ ૪ અંગોનું દાન કરાપું છે.

વેલંજાના નંદીની રેસિટિની પાતે રહેતા પીપુષ નારસાભાઈ માંગુંચિયા (28) રેલકલાકાર કામ પરથી છુટ્ટા બાદ અમરોહીની ચારબુલા રેસિટિનીમાં રહેતા સરસાને ત્વાં ભીમાર પત્નીને મળવા ગયા હતા. રાને સાપણ ચેકપોસ્ટ પાસે ભાઈક સ્લીપ થઈ હતી. જેની સારવાર વેળા 28 ઓક્ટોબરે જેનડેડ જાહેર

કરાયા હતી. બાદ ડેનેટ લાઇફના નિબેશ માંડલેવાલાની ટીમે પીપુષભાઈના પરિવારને બચુંદાન સહિતના અંગદાનનું મફતું સમજાવ્યું હતું. સુરતની આપુષ હોસ્પિટલથી અમદાવાદની સીએચ હોસ્પિટલ સુધીનું 272 કિ.મીનું અંતર 130 મીનિટાં કાપીને કદમ્બનું ટ્રાન્સપલાન્ટ બોર્ડસના રહેવાસી 39 વર્ષથી વ્યક્તિમાં કરાપું છે. મુલાઈની રિલાયન્સ હોસ્પિટલનું 296 કિ.મીનું અંતર 110 મીનિટ કાપી ફેફસાંનું ટ્રાન્સપલાન્ટ દાલાસુના 44 વર્ષથી વ્યક્તિમાં કરાપું છે. ૨ કિડની, લિવર અને પેન્કિપાસનું ટ્રાન્સપલાન્ટ ૪ દિનાં IKDRC દ્વારા કરાઈ રહ્યું છે.

ગુજરાતમાં ૩૬મું હૃદય દાન, ચોયું ફેફસાંનાં દાન

ગુજરાતમાંથી હૃદયદાનની આ છુનીસમી ઘટના છે. જેની સુરતમાંથી ડેનેટ લાઇફ કાર્ય કરાયા હતી. કરાવાની આ ઓગણાનીસમી અને સુરતથી કેકસાના દાનની આ ચોથી ઘટના છે. જેમાંથી ૨ ફેક્સા મેન્જાર, ૪ ફેક્સા મુલાઈ અને ૨ ફેક્સા ચેનાઈ ટ્રાન્સપલાન્ટ કરાયા છે. હૃદય અને ફેક્સા, કિડની, લિવર અને પેન્કિપાસ મોકલબા આપુષ હોસ્પિટલથી અમદાવાદ IKDRC સુધીના જીન હોરીગેર બનાવવા પાલીસનો સહકાર સંપર્શો હતો.

માર્ગ અકસ્માતમાં સુરતનો 27 વર્ષીય યુવાન બ્રેન ડેડ થયો હતો ગ્રીન કોરિડોર રચી 90 મિનિટમાં સુરતથી હાર્ટ અમદાવાદ લવાયું સિસ્ટ્સ હોસ્પિ.માં 12મું હાર્ટ ટ્રાન્સપલાન્ટ, કિડની અને લિવર સિવિલમાં અપાયાં

માર્ગ અકસ્માત | અમદાવાદ

માર્ગ અકસ્માતમાં ભેઠિન ૩૫ જાહેર થયેલા સુરતનાં 27 વર્ષીય યુવાનના પરિવારે યુવાનનું હૃદય, ફેક્સા, કિડની અને લિવર જેવાં અંગોનું દાન કરીને પાંચ લોડોને નવજીવન આપ્યું છે. જેમાં હૃદય સિસ્ટ્સ હોસ્પિટલને મળતાં 12મું સકળ હાર્ટ ટ્રાન્સપલાન્ટ

43 વર્ષથી વ્યક્તિમાં થયું છે, જ્યારે કિડની અને લિવર સિવિલની કિડની હોસ્પિટલને આપવામાં આવ્યા છે. હૃદય ટ્રાન્સપલાન્ટની જરૂરવાળા દર્દી ૫ દિવસથી હોસ્પિટલમાં દાખલ હતા, અને તેમને હૃદય પ્રાપ્ત થયું છે. જ્યારે યુવાનની કિડની અને લિવર સિવિલની કિડની હોસ્પિટલમાં તેમજ ફેફસાંનું મુલાઈની

એચ.એન.રિલાયન્સ હોસ્પિટલમાં દાખલ દર્દીમાં ટ્રાન્સપલાન્ટ કરાયું છે. મલ્ટિવની વાત એ છે કે, હૃદયને સુરતથી અમદાવાદ લાવવા માટે સુરત અને અમદાવાદની પોલીસે ગ્રીન કોરિડોર રચતાં માત્ર 90 મિનિટમાં અમદાવાદ લાવી રાકાયું છે. હાર્ટ ટ્રાન્સપલાન્ટ બાદ દર્દીની સ્થિતિ સારી છે.

" જીતે જી રત્નાન, બ્રેનડેડ કે બાદ, કિડની, લિવર, હૃદયાદાન..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

સુરતના બ્રેઇનડેડ રત્ન કલાકારના અંગો થકી આઠ લોકોના જીવનમાં ઉજાશ પથરાયો

સુરત, તા. ૩૦: છેલ્લા લગ્ભગ દશકથી તે રફ ડાયમંડને ચમકાવવાનું કામ કરે છે. તેના મૃત્યુ બાદ પણ ૨૮ વર્ષીય પિયુષ માંગુંદ્યા ૮ લોકોની જિંદગીમાં ઉજાસ પાથરતો ગયો છે. ગંભીર રીતે બીમાર આઠ દર્દીઓને પિયુષ માંગુંદ્યાના અંગ દાન કરવામાં આવ્યા છે. હદ્ય, ડિઝની, ફેફસા, લિવર, આંખ, પેનકિઓસ સહિતના આઠ અંગો અમદાવાદ અને મુંબઈના જરૂરિયાતમંદ દર્દીઓમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયા છે. કહેવાઈ રહ્યું છે કે, પહેલીવાર કોઈ મૃતકના આઠ અંગો ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા છે.

શ્રી રામક્રિષ્ણ એક્સપોર્ટમાં કામ

કરતા પિયુષનું બાઈક ૨૪ ઓક્ટોબરના રોજ સાયન ચેકપોસ્ટ પાસે સ્લીપ થયું હતું. જેના કારણે તેના માથામાં ગંભીર ઈજાઓ થઈ હતી. અક્સમાત બાદ તેને સુરત મુનિસિપલ કોર્પોરેશન સંચાલિત સ્મીમેર હોસ્પિટલમાં ખસેડવામાં આવ્યો હતો. જો કે, બાદમાં તેને એક ખાનગી હોસ્પિટલમાં ખસેડાયો જ્યાં બુધવારે ડોક્ટરોએ તેને બ્રેનડેડ ગાહેર કર્યો હતો.

૨૮ વર્ષના પિયુષના પરિવારમાં પત્ની નયના, ૮ વર્ષની દીકરી ધનશ્રી અને ૬ વર્ષના દીકરા પાર્થ છે. પિયુષ અને તેનો પરિવાર કામરેજમાં આવેલી નંદિની સોસાયટીમાં રહેતો. પિયુષના

પિતા નારાયણ માંગુંદ્યાએ કહ્યું, અમે છાપામાં મૃતકોના અંગદાન વિશે વાંચ્યું હતું પરંતુ તેની પ્રક્રિયાથી અજ્ઞાતા હતા. અંતિમ સંસ્કાર પછી દીકરાનું શરીર રાખ બની જાત. ત્યારે યોગ્ય એ જ હતું કે અમારા દીકરાના શરીરના મહત્વના અંગો કેટલાક લોકોને નવજીવન આપી શકે. હવે અમને લાગે છે કે અમારો દીકરો આ આઠ લોકોના શરીરમાં જીવતો છે. પરિવારની સંમતિ પછી સેટ ઓર્ગન એન્ડ ટિશ્યૂ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ઓર્ગનાઈઝેશનના અમદાવાદના કન્વીનર ડૉ. પ્રાંજલ મોદીને જ્ઞાન કરવામાં આવી હતી. ત્યાર બાદ પ્રક્રિયા શરૂ થઈ હતી.



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: January 2006 to 29th October 2020

371

KIDNEY

151

LIVER

8

PANCREAS

9

HEART

8

LUNGS

274

CORNEA

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

**Which has given new lease of life &
vision to 774 persons across the country & globe**

" जीते जी रक्तान, ब्रेनडे के बाद, किडनी, लिवर, हृदयादान..."